

हितधारकों की बैठक

संस्थान अनुसंधान समिति के आयोजन से पहले सी एम एफ आर आइ मुख्यालय एवं क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों में हितधारकों की बैठक आयोजित की गयी। इस दौरान समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों और उनकी मात्स्यिकी पर किए गए अनुसंधान कार्यों को हितधारकों के सुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया। वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र में दिनांक

7 जून, 2019 को हितधारकों की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में आपसी चर्चा हिन्दी में थी। मछुआरा सदस्यों, नाव मालिक संघों के सदस्यों, प्रसंस्करण इकाइयों के सदस्यों और एम पी ई डी ए, ई आइ ए, सी आइ एफ टी, मात्स्यिकी विभाग, एन एफ एफ, भारतीय तटरक्षक और रिलयन्स फाउन्डेशन के सदस्यों ने बैठक में भाग लिया।



हरित पुलि चिंगट का समुद्र रैंचन

चिंगटों या मछलियों के बीजों को समुद्र में छोड़कर बड़े होने के बाद पकड़ने की रीति को समुद्र रैंचन कहा जाता है। सी एम एफ आर आइ मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा दिनांक 4 मई 2019 को हरित पुलि चिंगट (Green tiger shrimp) के लगभग 1.0 मिलियन बीजों का समुद्र रैंचन किया गया। इसका उद्देश्य यह था कि अप्रैल-मई के दौरान तमिल नाडु में मत्स्यन रोध का समय है। इस समय समुद्र में छोड़े गए चिंगट बीज बढ़ जाएंगी

और मत्स्यन रोध के बाद मछुआरे इनको पकड़ सकते हैं और उनकी आजीविका का समर्थन हो जाएगा। डॉ. के. के. जोषी, अध्यक्ष, समुद्री जैवविविधता प्रभाग, सी एम एफ आर आइ समुद्र रैंचन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे। सी एम एफ आर आइ के वैज्ञानिकों, तमिल नाडु राज्य मात्स्यिकी विभाग के कार्मिकों और मछुआरा संघों के सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

